K. Nand M.A. I sem (4) (conti....)
13

इस असंभावनात्मक प्रतिचयन में प्रतिचयन की
इकाईयों के चयन में विशेषज्ञ के मत
को ही महत्व दिया जाता है [illegible]
के प्रतिचयन [illegible] करती है। अत:
ऐसे प्रतिदर्शों को जिसमें इकाइयों के
चयन में विशेषज्ञ के मत को आवश्यक
महत्व दिया जाता है उसे विशेषज्ञानुसार
प्रतिदर्शन या प्रतिचयन कहते हैं।

(VIII.) स्वेच्छानुसार (Self selected) प्रतिचयन-
इस असंभाव्य प्रतिचयन
Nonprobability sampling) के अन्तर्गत
उन इकाईयों का अध्ययन किया जाता
है, जो स्वेच्छानुसार विभिन्न समस्याओं पर
अपना मत, समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में
व्यक्त करते रहते हैं। यहाँ अध्ययन
कर्ता अपने प्रतिचयन के लिए इकाईयों
का चयन नहीं करता। क्योंकि ऐसे प्रसंगों
को विभिन्न इकाईयाँ अपनी स्वयं की इच्छा
के अनुसार ही समय-समय पर प्रचलित
विवादग्रस्त समस्याओं पर अपने विचार
व्यक्त करती हैं। अत: ऐसे प्रतिदर्शों को
स्वेच्छानुसार प्रतिचयन कहते हैं।

This End
-x-

बड़ा गुण यह है कि सौ चायों को एक ही स्थान पर प्रति दर्शों आसानी से मिल जाता है। इस गुण के होने पर भी इस प्रतिचयन का एक बड़ा दोष यह है कि इससे प्राप्त परिणाम का सामान्यीकरण पूरे विश्वास के साथ नहीं किया जा सकता है।

(iii) अंश प्रतिचयन (Quota Sampling) —
इस प्रतिचयन विधि में शोधकर्ता द्वारा सम्पूर्ण जन संख्या की उन इकाइयों को चुना जाता है जिन्हें वे अपनी समझ अथवा सूझ-बूझ के आधार पर बेहतर समझते हैं कि यह अंश पूरा संख्या का प्रतिनिधित्व कर सकता है। इसके लिए पहले किसी गुण या विशेषता को सम्पूर्ण जन संख्या की इकाइयों का स्तरीकरण विभिन्न अंशों में बांट कर लिया जाता है। पुनः शोधकर्त्ता द्वारा अध्ययन के लिए आवश्यकतानुसार किसी एक अंश का चयन कर लिया जाता है।

(iv) खण्ड प्रतिचयन (Check Sampling) —
किसी गुण या विशेषता को जनसंख्या का ही एक सुविधाजनक अंश को प्रतिदर्श के रूप में चयन करना 'खण्ड प्रतिदर्श' (Check Sampling) कहलाता है। उदाहरण स्वरूप — किसी गुण या विशेषता से सम्बद्ध जनसंख्या

Scanned with CamScanner

K. Nand M.A. I Sem Œ/ Continue...

इन छात्रों का एक प्रतिदर्श (Sample) प्राप्त किया जाता है। इस प्रकार के प्रतिदर्श चयन की प्रक्रिया को सोद्देश्य प्रतिचयन (purposive sampling) कहते हैं।

इस प्रतिचयन में सरलता एवं सुगमता का गुण पाया जाता है। परन्तु सोद्देश्य प्रतिचयन का एक बड़ा दोषमह है कि यह पूरी जन संख्या का प्रतिनिधित्व सही ढंग से नहीं कर पाता है।

(ii) आकस्मिक प्रतिचयन (Incidental Sampling)

आकस्मिक प्रतिचयन एक ऐसा असंभाविता प्रतिचयन (non-probability sampling) विधि है जिसमें अध्ययन के अनुरूप सम्पूर्ण जन संख्या में से जो भी इकाई आसानी से उपलब्ध हो जाती है, उसका चयन शोधकर्ता द्वारा करके प्रतिदर्श का निर्माण कर लिया जाता है। इसके लिए किसी पूर्व निर्धारित योजना की आवश्यकता नहीं होती है।

मनोविज्ञान में शोधकर्ता अपने अध्ययन की सुविधा को ध्यान में रखकर स्कूल या कॉलेज के छात्रों को प्रतिदर्श के रूप में चयन कर लेते हैं। यह आकस्मिक प्रतिचयन की श्रेणी में आता है।

आकस्मिक प्रतिचयन का एक बहुत

Scanned with CamScanner

K. Nand M.A. I Sem (3) (continue)
17 I

से केवल छात्रों या ग्रामीण या शहरी का ही प्रतिदर्श के लिए चयन करना खण्ड प्रतिदर्शन है।

(V) सुविधानुसार प्रतिचयन (Convenience Sampling)

इसके अन्तर्गत अध्ययनकर्ता उन स्थानों, व्यक्तियों, सहभागियों से संपर्क करता है जिनसे उसे सम्पर्क में पर्याप्त सुविधा रहती है, जो है — एक महिला शोधकर्ता अपने अध्ययन में केवल महिलाओं का ही चयन अपनी सुविधा के लिए करती है तो इस प्रकार के प्रतिचयन को सुविधानुसार प्रतिचयन कहा जाता है। क्योंकि शोधकर्ता द्वारा प्रतिचयन का आधार अपनी सुविधानुसार तय किया गया है।

(VI) विचारानुसार प्रतिचयन (Judgement Sampling)

इस आरंभ में प्रतिचयन में इकाईयों का चुनाव विचारपूर्वक किया जाता है। इसमें सम्पूर्ण जनसंख्या से प्रतिदर्श इकाईयों का चयन अध्ययन से संबंधित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। ऐसे प्रतिदर्श का चयन विचारपूर्वक किया जाता है। अतः इस प्रकार के प्रतिचयन को विचारानुसार प्रतिचयन कहा जाता है।

(VII) विशेषज्ञानुसार प्रतिचयन (Experts Sampling)